IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, Journal Volume 11, Iss 09, 2022

छात्रों के सृजनात्मक विकास में शैक्षणिक सामग्री की भूमिका का अध्ययन

डॉ. बी.के. गुप्ता

प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

शिक्षाशास्त्र विभाग

आशीष कुमार द्विवेदी

शोधार्थी

जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल पोस्ट–ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी

सारांश–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में छात्रों के सृजनात्मक विकास में शैक्षणिक सामग्री की भूमिका का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। न्यादर्श हेतु प्रस्तुत शोध कार्य में बाराबंकी जिले के उच्चतर माध्यमिक में अध्ययन करने वाले कुल 400 छात्रों का न्यादर्ष के रूप में स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श पद्धति द्वारा चयन किया है। अध्ययन के परिणाम में यह पाया कि छात्रों के सृजनात्मक विकास में शैक्षणिक सामग्री का बुद्धिमत्ता, भावात्मक बुद्धिमत्ता, निष्पत्ति अभिप्रेरणा एवं शैक्षणिक उपलब्धिता से धनात्मक सहसंबंध है।

मुख्य शब्दावली– सृजनात्मक विकास, शैक्षणिक सामग्री।

प्रस्तावना

शिक्षा में सृजनात्मकता एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। सभी बालकों के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण तथ्य है। सृजनात्मकता का स्तर प्रत्येक बालक के लिए भिन्न हो सकता है। छात्रों को सर्जन का अवसर मिलना चाहिए। सृजनात्मकता के अवसर कक्षागत परिस्थितियों में दिया जाना चाहिए। इस प्रकार के अवसरों में लोच, स्वतन्त्रता तथा साहस के गुण हो ने चाहिए। सम्पूर्ण कक्षा शिक्षण सर्जनात्मक होना चाहिए। सृजनात्मकता में प्रभुत्व प्रणाली का बहिष्कार किया जाता है। आज की शिक्षण प्रणाली में मौलिकता तथा नवीनीकरण का ध्यान नहीं रखा जाता है। सच यह है कि सृजनात्मकता वह गुण है जिसे बोधगम्य होना चाहिए तथा उसका अनुकरण करना चाहिए।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, Journal Volume 11, Iss 09, 2022

मानव क्रियाओं और निष्पत्ति के लिए सृजनात्मकता आवश्यक है। वैज्ञानिक या कलात्मक सर्जन ही सृजनात्मकता का अर्थ नहीं है। यह किसी भी काम में मिलता है। समाज में काम करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के काम में सृजनात्मकता का भाव होता है। बिने ने कहा कि लकड़ी से मनचाही कलात्मक वस्तु बनाया जा सकता है। जिस तरह चित्रकार अपने पसंदीदा रंगों का उपयोग करके चित्र को सजीव बना सकता है, उसी तरह मूर्तिकार और वास्तुविद भी अपनी कलाओं में एक अलग प्रभाव छोड़ते हैं।यह सृजनात्मकता है। कवि कविता लिख सकता है, और गीतकार गा सकता है। इसका मतलब यह है कि हर व्यक्ति में सर्जनात्मक क्षमता है और इसे विकसित करना चाहिए।

सृजनात्मकता की संकल्पना के बारे में विद्वान बहुत कम मतैक्य है। कुछ इसे नई वस्तु गढ़ने की योग्यता मानते हैं तथा कुछ अन्य विद्वानों के मतानुसार सृजनात्मकता योग्यता न होकर ऐसी मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिससे अभिनव और मूल्यवान वस्तुओं का सृजन होता है। एक अन्य वर्ग सृजनात्मकता को प्रक्रिया न मानकर, परिणाम या उत्पाद मानता है। सृजनात्मकता का अर्थ समस्या समाधान से भी लगाया जाता है सृजनात्मकता नये अर्थ तथा हल की खोज करती है, जिन पर विचार, पुनर्विचार, विश्लेषण तथा संश्लेषण करके अनित हल खोजा जाता है। सृजनात्मकता का अर्थ एक ऐसी योग्यता से लगाया जात है जो किसी समस्या के विद्वतापूर्ण समाधान के लिए नवीन विधियों तथा स्थितियों का सहारा लेती है। सृजनात्मक व्यक्तियों में समस्याओं के प्रति सजगता, विचार में गति, नम्यता, मौलिकता, नवीनता के लिए परिवर्तन तथा जिज्ञासा का समिश्रण होता है। इसमें आत्म–निर्देशित दिशा, आत्मप्रेरणा, आत्माभिव्यक्ति तथा आगे बढ़कर अर्थ करने की विशेषताएँ भी सम्मिलित रहती है।

सृजनात्मकता का अर्थ समझने के लिए विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा दी गयी परिभाषाओं पर दृष्टिपात करना आवश्यक है।

टोरेन्स के अनुसार– ''सृजनात्मकता वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा छात्र, समस्याओं न्यूनताओं, ज्ञान में व्यवधानो, लुप्त तत्वों, विसंगतियों आदि के प्रति संवेदनशीन होते हैं और कठिनाइयों को पहचानने, हलों को ढूढ़ने, परिकल्पनाओं का प्रशिक्षण करने, उनकों संवारने एवं संशोधन करने तथा अन्त में परिणामों का पता लगाने में सक्षम होते हैं।''

क्रो एण्ड क्रो के अनुसार– ''सृजनात्मकता मौलिक परिणामों को अभिव्यक्ति करने की एक मानसिक प्रक्रिया है''।

सामान्य शब्दों में कहा जाये तो कुछ सार्थक नवीन ओर अनोखी सोच व अनोखा करने की क्षमता ही सृजनात्मकता कहलाती है, किन्तु यह तभी सार्थक सिद्ध होगी जब इस अनोखी

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, Journal Volume 11, Iss 09, 2022

सोच में उपयोगिता का गुण विद्यमान होगा। सृजनात्मक पर अनेक विद्वानों ने अपने–अपने मत को शामिल किया है जो परस्पर एक दूसरे से भिन्न हैं।

अध्ययन का औचित्य

सृजनात्मकता के विकास की गति को अगर नापा जाए तो वह छात्रों में सामन्य या कम पाई जाती है। सृजनात्मकता विकास सही तौर पर प्राथमिक शिक्षा के दौरान ही होना चाहिए मगर कुछ प्रशासकीय तौर–तरीकों से यह ध्येय सफल नहीं हो पा रहा है। इसकी सफलता की गति को अधिक तीव्र करना हो तो छात्रों में सृजनात्मकता की प्रभाविता को बढ़ाना चाहिए। आज की शिक्षण पद्धती में अधिगम को अधिक महत्त्व दिया गया है जिससे छात्रों की बुद्धिमत्ता, निष्पत्ति अभिप्रेरणा एवम समस्या समाधान पर विपरीत असर देखा गया है। सृजनात्मकता के शैक्षणिक कार्यक्रम के उपयोग से छात्रों में बुद्धिमत्ता, निष्पत्ति अभिप्रेरणा, शैक्षणिक उपलब्धि एवम समस्या समाधान का विकास हो सकता है। ऐसा अनुभव किया जा सकता है कि छात्रों की सृजनात्मकता विकास हेतु शैक्षणिक वातावरण बनाना एक शिक्षक के लिए जटिल कार्य है परंतु कक्षा वातावरण को उपयुक्त बनाकर शिक्षक छात्रों की सृजनात्मकता का विकास कर सकते है। कक्षा में कराये जाने वाला शैक्षणिक कार्यक्रम द्वारा छात्रों को दिया जाने वाला प्रोत्साहन प्रतिकुल रूप से प्रभावित करता है। इसका अर्थ यह हुआ कि शिक्षको ने शिक्षण में सृजनात्मकता का उपयोग करना चाहिए।

अध्ययन के उद्देश्य

1 छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का बुद्धिमत्ता से संबंध का अध्ययन करना।

2 छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का भावात्मक बुध्दिमत्ता से संबंध का अध्ययन करना।

3 छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का निष्पत्ति अभिप्रेरणा से संबंध का अध्ययन करना।

4 छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का शैक्षणिक उपलब्धिता से संबंध का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1 छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का बुद्धिमत्त के साथ कोई सार्थक सहसंबध नहीं है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, Journal Volume 11, Iss 09, 2022

2 छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का भावात्मक बुध्दिमत्ता के साथ कोई सार्थक सहसंबध नहीं है।

3 छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का निष्पत्ति अभिप्रेरणा के साथ कोई सार्थक सहसंबध नहीं है।

4 छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का शैक्षणिक उपलब्धिता के साथ कोई सार्थक सहसंबध नहीं है।

शोध की विधि –

प्रस्तुत शोध के लिए सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

जनसंख्या –

प्रस्तुत अध्ययन में बाराबंकी जिले के उच्चतर माध्यमिक में अध्ययन करने वाले छात्रों का न्यादर्श के रूप में स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श पद्धति द्वारा चयन किया है।

शोध में प्रयुक्त न्यादर्श –

प्रस्तुत शोध कार्य में बाराबंकी जिले के उच्चतर माध्यमिक में अध्ययन करने वाले कुल 400 छात्रों का न्यादर्श के रूप में स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श पद्धति द्वारा चयन किया है।

प्रदत्त संकलन हेतु प्रयुक्त उपकरण–

प्रस्तुत अनुसंधान में साधनों की सहायता से जानकारी संकलित की गई है वे उपकरण निम्नलिखित है–

- सृजनात्मकता परीक्षण – बी.के. पासी द्वारा निर्मित
- बुद्धिमत्ता परीक्षण – डॉ. आर. के. ओझा और डॉ. के. राय चौधरी
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता मापनी – अनुकुल हायड़े, संजय पेठे और उपेन्द्र धार
- निष्पत्ती अभिप्रेरणा मापनी – डॉ. वी. पी. भार्गव
- शैक्षणिक उपलब्धि – वार्षिक अंकसूची
- शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता मापनी (सृजनात्मक विकास कार्यक्रम मॉड्यूल के संदर्भ में) – स्वनिर्मित

सांख्यिकीय प्रविधियाँ –

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, Journal Volume 11, Iss 09, 2022

प्रस्तुत अध्ययन में सांख्यिकीय प्रविधि के रूप में मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

व्याख्या एवं विश्लेषण

परिकल्पना 1 – छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का बुद्धिमत्ता के साथ कोई सार्थक सहसंबध नहीं है।

तालिका : 1

छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का बुद्धिमत्ता के साथ सहसंबध

चर	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	r मान	परिणाम
सृजनात्मक	200	89.36	14.87	0.855	धनात्मक सहसंबंध
बुद्धिमत्ता	200	94.71	7.15		

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपरोक्त सारणी में देखा गया है कि छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता के अध्ययन में छात्रों की सृजनात्मकता का मध्यमान 89.36 तथा प्रमाप विचलन 14.87 है तथा बुद्धिमत्ता का मध्यमान 94.71 तथा प्रमाप विचलन 7.15 है। इसके आधार पर 'r' का मान 0.855 है जो यह दर्शाता है कि सृजनात्मकता एवं बुद्धिमत्ता में धनात्मक अति उच्च सहसंबध है।

परिकल्पना 2 – छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का भावात्मक बुध्दिमत्ता के साथ कोई सार्थक सहसंबध नहीं है।

तालिका : 2

छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का भावात्मक बुध्दिमत्ता के साथ सहसंबध

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved Journal Volume 11, Iss 09, 2022

चर	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	r मान	परिणाम
सृजनात्मक	200	89.36	14.87	0.46	धनात्मक सहसंबंध
भावात्मक बुद्धिमत्ता	200	96.58	13.86		

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपरोक्त सारणी में देखा गया है कि छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता के अध्ययन में छात्रों की सृजनात्मकता का मध्यमान 89.36 तथा प्रमाप विचलन 14.87 है। तथा भावात्मक बुद्धिमत्ता का मध्यमान 96.58 तथा प्रमाप विचलन 13.86 है। इसके आधार पर 'r' का मान 0.46 है जो यह दर्शाता है कि सृजनात्मकता एवं भावात्मक बुद्धिमत्ता में धनात्मक तथा औसत सहसंबध है।

परिकल्पना 3 – छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का निष्पत्ति अभिप्रेरणा के साथ कोई सार्थक सहसंबध नहीं है।

तालिका : 3

छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का निष्पत्ति अभिप्रेरणा के साथ सहसंबध

चर	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	r मान	परिणाम
सृजनात्मक	200	89.36	14.87	0.410	धनात्मक सहसंबंध
निष्पत्ती अभिप्रेरणा	200	20.77	2.37		

व्याख्या एवं विश्लेषण

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, Journal Volume 11, Iss 09, 2022

उपरोक्त सारणी में देखा गया है कि छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता के अध्ययन में छात्रों की सृजनात्मकता का मध्यमान 89.36 तथा प्रमाप विचलन 14.87 है। तथा निष्पत्ती अभिप्रेरणा का मध्यमान 20.77 तथा प्रमाप विचलन 2.37 है। इसके आधार पर 'r' का मान 0.410 है जो यह दर्शाता है कि सृजनात्मकता एवं निष्पत्ती अभिप्रेरणा में धनात्मक तथा औसत सहसंबध है।

परिकल्पना 4 – छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का शैक्षणिक उपलब्धिता के साथ कोई सार्थक सहसंबध नहीं है।

तालिका : 4

छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता का शैक्षणिक उपलब्धिता के साथ सहसंबध

चर	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	r मान	परिणाम
सृजनात्मक	200	89.36	14.87	0.568	धनात्मक सहसंबंध
शैक्षणिक उपलब्धि	200	73.29	11.05		

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपरोक्त सारणी में देखा गया है कि छात्रों के लिए विकसित किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभाविता के अध्ययन में छात्रों की सृजनात्मकता का मध्यमान 89.36 तथा प्रमाप विचलन 14.87 है। तथा शैक्षणिक उपलब्धी का मध्यमान 73.29 तथा प्रमाप विचलन 11.05 है। इसके आधार पर 'r' का मान 0.568 है जो यह दर्शाता है कि सृजनात्मकता एवं शैक्षणिक उपलब्धि में धनात्मक तथा औसत सहसंबध है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- असवाल, ममता (2016). माध्यमिक स्तर के छात्रों की सृजनात्मकता पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन। *International Journal of Applied Research*, 2(9), 252-259.
- चौधरी, सुखी (2019). रमसा तथा गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यालय वातावरण का उसमें अध्ययनरत विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved Journal Volume 11, Iss 09, 2022

Journal of Emerging Technologies and Innovative Research, 6(6), 768-775.

- द्विवेदी, सुमित (2022). माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर योग के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन। *International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science*, 6(6), 135-140.
- गुर्जर, अंजू (2022). उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन। *International Journal of Creative Research Thoughts*, 10(5), 229-232.
- कुमारी, श्वेता (2022). समस्तीपुर जनपद में माध्यमिक विद्यालयों के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सृजनात्मकता का अध्ययन। *International Journal of Research in all Subjects in Multi Language*, 10(6), 5-9.
- पदम (2014). विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिक्षमता के संदर्भ में सृजनात्मकता का अध्ययन। *IOSR Journal of Humanities and Social Science*, 19(3), 101-104.
- प्रजापति, रणछोड़ भाई (2015). उच्च एवं निम्न दुश्चिंता रखने वाले किशोर विद्यार्थियों की सृजनशीलता एवं सांवेगिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन। *Research hub – International multidisciplinary research journal*, 2(2), 1-5.
- शर्मा, ऋचा (2011). बच्चों की सृजनात्मकता पर स्कूल और घर के वातावरण के प्रभाव का अध्ययन। *MIER journal of educational studies, trends and practices*. 1(2), 187-196.